'भारत को एकता के सूत्र में बांधने वाला सबसे मजबूत तंतु साहित्य है'

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 7 मार्च।

साहित्य अकादेमी द्वारा आयोजित साहित्योत्सव का शुक्रवार को संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि भारत को एकता के सूत्र में बांधने वाला सबसे मजबूत तंतु साहित्य है। तकनीक के समय में अनुवाद के जरिए हमारा साहित्य अब वैश्विक होने लगा है। अब उस पर चर्चा प्रारंभ हो गई है। पूरी दुनिया का भारत को देखने का नजरिया बदला है। साहित्य अकादेमी के अध्यक्ष माधव कौशिक ने शेखावत का स्वागत शाल, पुस्तक और पुष्प देकर किया। साहित्योत्सव के पहले दिन बीस विभिन्न कार्यक्रमों में सौ से अधिक लेखकों ने सहभागिता की। कुछ अहम कार्यक्रम थे आदिवासी कविता एवं कहानी-पाठ और पैनल चर्चा। भारतीय साहित्य में नदियां, भारत के उत्तर पूर्वी क्षेत्र की लोक संस्कृति, भारत की साहित्यिक कृतियों में लुप्त होता ग्रामीण समाज आदि विषयों पर वक्तव्य हुए। अनेक सत्रों में बहुभाषी कविता और कहानी के पाठ किए गए।

जनसत्ता Sat, 08 Ma
https://ep